केन्द्रीय विद्यालय संगठन,लखनऊ संभाग
मासिक परीक्षा (अक्टूबर **2024)**
विषय **–** हिंदी (आधार) **(**कोड**- 302)**
कक्षा **–** बारहवीं

निर्धारित समय **– 1.30** घंटे
अधिकतम अंक **– 40**

सामान्य और आवश्यक निदेश **–**

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं- खंड 'क' ,'ख' और 'ग' ।
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'ख' में 'अभिव्यक्ति और माध्यम' पाठ्य पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड 'ग' में आरोह भाग-2 एवं वितान भाग–2 पाठ्य पुस्तकों के आधार पर प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं।
- सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

	प्रश्न संख्या	खड 'क' (अपाठेत बोध)	10 अंक
	प्रश्न 1.	निम्नलिखेत गद्यांश पर आधारेत पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए- कोई अपने दुर्भाग्य को कोस रहा है, कोई अपनी पारिवारिक दीनता को दोषी बता रहा है, कोई सहारे के अभाव को अपनी असफलता का आधार मान रहा है । बहुत से असफल व्यक्ति इसी तरह अनेक कारणों को अपनी असफलता का आधार मानते हैं, विभिन्न कारणों की कल्पना कर हाथ-पर-हाथ धरे बैठे रहते हैं । वे अपने जीवन में कुछ कर नहीं पाते । वे समाज के लिए, संसार के लिए कुछ नहीं कर पाते । ऐसे मनुष्यों को जीवन में कोई राह नहीं मिलती, कोई चारा नहीं दिखता । वे दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि कोई उन्हें किसी लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग दिखाए, सफलता की सीढ़ी बताए, जिससे वे उस पर आसानी से चढ़ सकें । किंतु, ऐसे लोगों को यह भली-भाँति जानना चाहिए कि जहाँ चाह है, वहीं राह है । हमारी इच्छाशक्ति स्वयं हमारे लिए मार्ग बना देती है । अच्छे कार्य में धन की उतनी आवश्यकता नहीं होती, जितनी इच्छाशक्ति की होती है। 'एमर्सन' ने ठीक ही कहा है कि इतिहास, पुराण सभी साक्षी हैं कि मनुष्य के दृढ़-संकल्प के आगे देव- दानव सभी पराजित होते रहे हैं । हाँ, इतना ध्यान रखना होगा कि हमारी चाह बरसाती बादल का एक टुकड़ा न हो, जिसे हवा का एक झोंका जिधर चाहे उड़ाकर ले जाए । यदि हमारी	5

		इच्छाशक्ति क्षुद्र और दुर्बल होगी, तो हमारी मानसिक शक्तियों का कार्य भी वैसा ही होगा । स्वामी विवेकानंद का दिव्य वचन है कि पवित्र और दृढ़ इच्छा सर्वशक्तिमान है ।	
	(ii)	अतः यह नीति ठीक है कि हमारी चाह ही रास्ता बना जाती है । अंधकार से आच्छन्न मानव ने कभी इच्छा व्यक्त की थी कि प्रकाश हो और प्रकाश हो गया । मनुष्य की इस चाह, इस लगन, इस उत्कट इच्छा- चमत्कार की अनगिनत कहानियाँ हैं ।	1
	(ii)	जब आततायी रावण श्रीरामवल्लभा सीता को हरकर लंका ले गया, तब राम को पता चला कि मार्ग में समुद्र व्यवधान बनकर खड़ा है । राम के अंतर्मन में सीता प्राप्ति की चाह ने सागर पर सेतु- निर्माण किया । चाणक्य के पास आखिर था क्या ? किंतु, नंद साम्राज्य के विनाश के उत्कट संकल्प ने उनके लिए मार्ग-निर्माण कर दिया था । हमारे आदर्श नेताजी सुभाषचंद्र बोस के पास क्या साधन था ? किंतु, अंग्रेज़ों को भगा देने की दृढ़ चाह ने उनसे इतनी बड़ी आजाद हिंद फौज की स्थापना करवा दी थी । पंडित मदन मोहन मालवीय के पास कौन-सा कुबेर कोष था ? किंतु, उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की, उनकी इस लगन ने सारे विघ्नों को काटकर मार्ग बना दिया ।	1
	(iii)		1
	(iv)	अधिकांश असफल व्यक्ति कुछ विशेष क्यों नहीं कर पाते हैं? (क) दूसरों को दोषी ठहराने के कारण (ख) दूसरों से ईर्ष्या-द्वेष के कारण (ग) स्वयं को महान समझने के कारण (घ) ईश्वर को मानने के कारण	2
		अंधकार से आछन्न मानव ने कैसी इच्छा व्यक्त की थी? (1) अंधकार होने की (2) प्रकाश हो जाने की (3) धन प्राप्त करने की (4) असफल न होने की	
		एमर्सन ने क्या कहा? असफल व्यक्ति किसको दोषी ठहराता रहता है?	

	प्र श्न 2.	पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – लड़ने के लिए चाहिए थोड़ी- सी सनक, थोड़ा- सा पागलपन और एक आवाज को बुलंद करते हुए मुफ्त में मर जाने का हुनर बहुत समझदार और सुलझे हुए लोग नहीं लड़ सकते कोई लड़ाई नहीं लड़ सकते कोई क्रांति जब घर में लगी हो भीषण आग आग की जद में हों बहनें और बेटियाँ तो आग के सीने पर पाँव रखकर बढ़कर आगे उन्हें बचा लेने के लिए नहीं चाहिए कोई दर्शन या कोई महान विचार चाहिए तो बस थोड़ी- सी सनक, थोड़ा- सा पागलपन और एक खिलखिलाहट को बचाने के लिए झुलस जाने का हुनर ।	5
	(i)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए - कथन (A) - जीवन जीने के लिए सनक चाहिए, न कि समझदारी । कारण (R) - समझदारी से जीवन नहीं जिया जा सकता । विकल्प - (क) कथन (A) सत्य है किंतु कारण (R) असत्य है। (ख) कथन (A) असत्य है किंतु कारण (R) सत्य है। (ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं। (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों असत्य हैं।	1
	(ii)	'मुफ्त में मर जाने का हुनर' का आशय है – (क) बिना लाभ- हानि के मृत्यु (ख) निष्काम बलिदान (ग) कीमती बलिदान (घ) पागलपन	1
	(iii)	कैसे लोग कोई लड़ाई या क्रांति नहीं लड़ पाते ?	1
	(iv)	जीवन में किस अवसर पर कोई जीवन दर्शन या महान विचार काम नहीं आते ?	2

	खंड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम)	12 अंक
प्रश्न 3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से <u>किसी एक विषय पर</u> लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – (1) वृक्ष-मनुष्य के सच्चे हितैषी (2) मेरे जीवन की वह मधुर स्मृति (3) मेरे झरोखे से दिखता नज़ारा	6x1 =6
प्रश्न 4.	(क) निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किसी एक</u> प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- (i) एक अच्छे व सफल साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारकर्ता के लिए क्या आवश्यक है? (ii) इन-डेप्थ रिपोर्ट से क्या तात्पर्य है?	2x1 =2 2 2
	(ख) निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किसी एक</u> प्रश्न का उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए- (i) मुद्रित माध्यमों के महत्व और विशेषताएँ बताइए । (ii) पत्रकारीय लेखन से आप क्या समझते हैं? पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ?	4x1 =4 2 2
	खंड 'ग' (आरोह भाग- 2 एवं वितान भाग- 2)	18 अंक
प्रश्न 5.	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए – प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे भोर का नभ राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है) बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो	1x5 =5

	(i)	स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो । और..... जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है । कवि ने प्रातःकालीन वातावरण की समानता नीले शंख से क्यों की है ? (1) कवि को नीले शंख का रंग पसंद होने के कारण (2) भोर के समय आकाश का रंग नीले शंख जैसी कालिमा और पवित्रता लिए होने के कारण (3) भोर के समय वातावरण के अनेक रंग बदलने के कारण (4) नीले शंख के अतिरिक्त अन्य उपमा न मिलने के कारण	1 1
	(ii)		
	(iii)	चौके के गीला होने का क्या भावार्थ है ? (1) नए जीवन का उदय (2) वातावरण में नमी (3) भोजन के लिए तैयार होना (4) वातावरण में शुष्कता	1
	(iv)	'बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो' से कैसा दृश्य सामने आता है ? (1) सूर्योदय के बाद का (2) सूर्योदय से पहले का (3) गहन रात्रि का (4) संध्या काल का	1
	(v)	'नील जल' के उपमान के माध्यम से कवि किसे चित्रित करता है ? (1) नीले स्वच्छ आकाश को (2) सुंदर स्त्री के रूप को (3) नीले रंग की सुंदरता को (4) पानी के अनेक रूपों को	1
		इस कविता के रचयिता हैं - (1) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	

	प्र श्न 6.	(2) कुवर नारायण (3) रघुवीर सहाय (4) शमशेर बहादुर सिंह	2x2 = 4
	(i)	काव्य खंड पर आधारित <u>प्रश्नों में से किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए -	2
	(ii)	तुलसीदास की 'कवितावली' के आधार पर तत्कालीन समाज की आर्थिक – सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।	2
	(iii)	'अस्थिर सुख पर दुःख की छाया' – पंक्ति में 'दुःख की छाया' किसे कहा गया है और क्यों ? 'बादल राग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	2
	प्र श्न 7.	'उषा' कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है ।" पुष्टि कीजिए ।	2x2 = 4
	(i)	गद्य खंड पर आधारित <u>प्रश्नों में से किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए –	2
	(ii)	महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के बाद के दृश्य में क्या अंतर होता था? 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	2
	(iii)	'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया है ?	2
	प्र श्न 8.	ढोलक की थाप मृत-गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी- कला से जीवन	5x1 =5
	(i)	के संबंध को ध्यान में रखकर 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए।	5
	(ii)	'वितान' पाठ्यपुस्तक के आधार पर <u>किसी एक</u> प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए –	5
	(iii)	यशोधर बाबू किन जीवन- मूल्यों को थामे बैठे हैं ? नई पीढ़ी उन्हें प्रासंगिक क्यों नहीं मानती ? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए ।	5
		'जूझ' कहानी आधुनिक किशीर–किशांरियों को जिन जीवन-मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	

		“टूटे- फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ- साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए पहलुओं का भी दस्तावेज़ होते हैं”- ‘अतीत में दबे पांव’ पाठ के आधार पर इस कथन का भाव क्या है?	